ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ त्यागे श्लाघाविपर्ययः ।

गुणा गुणानुबन्धित्वात्तस्य सप्रसवा इव ।। 22 ।।

अन्वय ज्ञाने (सत्यपि) मौनम्, शक्तौ (सत्यमपि) क्षमा त्यागे (सत्यपि) श्लाघाविपर्ययः, तस्य गुणा गुणानुबन्धित्वात् सप्रसवा इव (आसन्)

अनुवाद ज्ञान में (दूसरों की बात जानकर) भी मौन रहना, शक्ति में (शत्रु से बदला लेने में सामर्थ्य) रहते हुए भी क्षमा करना तथा त्याग में (दान देकर) आत्मप्रशंसा न करना, इस प्रकार दिलीप के ज्ञान आदि गुण अपने विरोधी मौन आदि गुणों के साथ मेल से रहने के कारण (एक दूसरे के विरोधी नहीं प्रत्युत) सप्रसव (सगे भाई जैसे) जान पड़ते थे।

टिप्पणियां

विशेष परस्पर विरोधी गुण विरोध छोड़कर रघुकुल तिलक दिलीप में ऐसे निवास करते थे जैसे वे विरोधी नहीं अपितु परस्पर सहोदर हों। जैसे ज्ञान होने पर लोगों को मौन रहते नहीं देखा जाता। इस प्रकार ज्ञान और मौन विरोधी गुण है। शक्ति होने पर बहुत कम लोग क्षमा करते देखे जाते हैं। दान देने पर सब लोग आत्म-प्रशंसा चाहते हैं। परन्तु लोक में सामान्य रूप से विरोधी प्रतीत होने वाले यह गुण दिलीप में परस्पर मिलकर निवास करते थे क्योंकि वे किसी बात को जानते हुए भी उसे प्रकट नहीं करते थे प्रत्युत चुप रहते थे। प्रतिकार लेने की शक्ति होने पर भी विरोधी को क्षमा कर देते थे। त्याग करके भी अपनी प्रशंसा नहीं सुनना नहीं चाहते थे।

ज्ञाने मौनम् (मुनि, अण्) मल्लिनाथ के अनुसार इसका अर्थ है- दूसरे के गुप्त रहस्यों को जानते हुए भी दिलीप उन्हें प्रकट नहीं करते थे। अपनी वाणी पर उनका पूर्ण नियंत्रण था।

शक्तौ क्षमा शक्ति होने पर भी क्षमा कर देते थे। चाणक्य का कथन है- **शक्तानां भूषणं क्षमा।**

त्यागे श्लाघा-विपर्ययः त्यागे श्लाघायाः विपर्ययः (षष्ठी तत्पुरुष) आत्मप्रशंसा का अभाव। दान करने पर भी मान नहीं करते थे। वे अहंकारशून्य थे। इस दिव्य निरभिमानिता का परिचय महाकवि कालिदास के पूर्व के महाकवि भास के नाटक स्वप्नवासवदत्तम् की नारी पात्र पद्मावती के चरित्र में ही विद्यमान है। देखिए पद्मावती की घोषणा- **आत्मानुग्रहमिच्छतीह नृपजा।**

गुणानुबन्धित्वात् गुणानाम् (मौन क्षमा श्लाघाविपर्ययादीनाम्) अनुबन्धनः, अविरोधेन अनुगन्तुं शीलं येषां ते गुणानुबन्धिनः, तेषां भाव गुणानुबन्धित्वम्, तस्मात्। एक गुण विरोधी होने पर भी दूसरे विरोधीगुण से जुड़ा होने या मिला रहने के कारण या एक गुण का दूसरे गुण से सौहार्द होने के कारण।

सप्रसवाः सह प्रसव येषाम् से सप्रसवाः। सगे भाई, एक ही माता से जन्म लेने वाले। सहोदर।